परीक्षा में छात्रों से मोबाइल, स्मार्ट वॉच और पर्चियां मिलीं

कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विभिन्न संस्थानों में सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षा का किया औचक निरीक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने विभिन्न संस्थानों में चल रही विश्वविद्यालय की सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न फ्लाइंग स्कवायड ने पांच संस्थानों में आठ छात्रों से चार मोबाइल, एक स्मार्टवॉच, छह ब्लूटूथ ईयरफोन व पर्चियां पकड़ीं। कुलपति ने परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता के मद्देनजर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

विवि कुलपति ने शनिवार को परीक्षा के मद्देनजर रुड़की-हरिद्वार क्षेत्र के विभिन्न लॉ, फार्मेसी और इंजीनियरिंग कालेजों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति बीएसएम इंजीनियरिंग कॉलेज और बीएसआई इंजीनियरिंग व लॉ कॉलेज व तारावती इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, आईटीआर कालेज और आरसीपी कालेजों, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की,

परीक्षाओं का निरीक्षण करते उत्तराखंड तकनीकी विवि के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह। - संवाद

फॉनिक्स कॉलेज, अरिहंत लॉ कालेज, चमन लाल लॉ कॉलेज, अमृत लॉ कालेज में भी पहुंचीं।

इन केंद्रों पर कुलपति ने पर्यवेक्षकों की देखरेख में संचालित हो रही परीक्षा का निरीक्षण किया। इस दौरान बीएसएम इंजीनियरिंग कॉलेज और बीएसआई इंजीनियरिंग कॉलेज व आरसीपी कॉलेज और अमृत लॉ कालेज, चमनलाल लॉ कॉलेज में कई छात्रों के पास मोबाइल फोन व ब्लूटूथ और कुछ के पास से लिखित पर्चे पकड़े गए। सभी पकड़े गए आठ छात्रों से चार मोबाइल, एक स्मार्टवॉच, छह ब्लूटूथ ईयरफोन पकड़े गए हैं। उनको कब्जे में ले लिया गया। साथ ही संस्थान को इस संबंध में सख्त हिदायत देते हुए पारदर्शी तरीके से ईमानदारी पूर्वक परीक्षा संचालित कराने के लिए निर्देशित किया।

वहीं दूसरी ओर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी और आईटीआर कॉलेज व फोनिक्स इंजीनियरिंग, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की, अरिहंत लॉ कालेजों में साफ-सुथरे तरीके से परीक्षा संचालित होती हुई पाई गई।

विवि कुलपति ने विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक को संबंधित संस्थानों से आज तक की परीक्षा संचालित किए जाने की वीडियो रिकॉर्डिंग की रिपोर्ट मांगी है। कुलपति ने संस्थान के प्रबंधन से कहा कि शैक्षिक गुणवत्ता में किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विवि स्तर से हर उचित सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं।